

1. रहीमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय ।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गाँठ पड़ि जाय ॥
2. जे गरीब सो हित करै, धनी रहीम वे लोग ।
कहा सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग ॥
3. रहीमन देख बड़ेन को, लघु न दीजै डारि ।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तलवारि ॥
4. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय ।
औरन को सीतल करै, आपहुँ सीतल होय ॥
5. वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग ।
बाँटनवारे को लगै, ज्यों मेहंदी के रंग ॥
6. तरुवर फल नहीं खात हैं, सरवर पियहिं न पान ।
कहि रहीम परकाज हित, संपत्ति संचहि सुजान ॥
7. दोनों रहीमन एक से, जब लौं बोलत नाहिं ।
जान परत हैं काक—पिक, रितु बसंत के माहिं ॥



अभ्यास

1- vkb,] 'kCnk d vFk t ku &

- | | | |
|-------------|---|---------------------|
| ● हित | — | भलाई |
| ● मिताई | — | मित्रता / दोस्ती |
| ● डारि | — | डाल देना |
| ● सीतल | — | ठंडा |
| ● उपकारी | — | उपकार करने वाला |
| ● तरुवर | — | पेड़ |
| ● पियहिं | — | पीते हैं |
| ● परकाज | — | दूसरों के काम (हित) |
| ● संपति | — | धन—दौलत |
| ● सुजान | — | सज्जन |
| ● पिक | — | कोयल |
| ● बाँटनवारे | — | बाँटने वाले |
| ● सरवर | — | तालाब |

2- dfork l &

(क) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए ?

(ख) वृक्ष और सरोवर से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

(ग) दोहे में कृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

(घ) कौए और कोयल में अंतर कैसे कर सकते हैं ?

(ङ) दोहों की पंक्तियों को पूर्ण करें —

- कहि रहीम परकाज हित ————— ।
- बाँटनवारे को लगे ————— ।
- टूटे से फिर ना जुरे ————— ।

3- vki dh ckr &

(क) आप जरूरतमंदों की सहायता किस प्रकार करते हैं?

(ख) कोयल और कौवे में से आप किस को पसंद करते हैं और क्यों ?

(ग) आपको कौन-सा मौसम पसंद है ? दो कारण बताएँ ।

4- Hkk”kk dh ckr &

(क) दिए गए शब्द ठीक नहीं लिखे गए हैं, इन्हें शुद्ध करके लिखें —

परेम	_____	सम्पति	_____
किरशन	_____	आशीरवाद	_____
उल्टा	_____	धन्न	_____
परविरती	_____	विधालय	_____

(ख) पढ़ें, समझें और लिखें —

सोहन कैरम खेलता है ।

कविता कैरम खेलती है ।

- राजा लड्डू _____ है ।

- ----- लड्डू खाती है।
- छात्र पुस्तक ----- है।
- ----- पुस्तक पढ़ती है।
- भाई गाना ----- है।
- ----- गाना गाती है।

(ग) नीचे ऐसे शब्दों के जोड़े दिए गए हैं। जिनके उच्चारण में कुछ अंतर है।
उनके अर्थ भी अलग-अलग हैं इनका सही उच्चारण करें और वाक्य बनाएँ।

बेरी	-----
बैरी	-----
बेल	-----
बैल	-----
मेला	-----
मैला	-----
सेर	-----
सैर	-----
मेल	-----
मैल	-----
में	-----
मैं	-----

(घ) रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजै डारि।

जहाँ काम आवै सुइ, कहा करै तलवारि।।

उपर्युक्त दोहे को ध्यानपूर्वक पढ़ें व समझें। इसमें अल्पविराम व पूर्णविराम चिह्नों का प्रयोग हुआ है। निम्नलिखित दोहों में विराम चिह्न लगाएँ—

- ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय
औरन को सीतल करै आपहुँ सीतल होय
- तरुवर फल नहीं खात हैं सरवर पियहिं न पान
कहि रहीम परकाज हित संपति संचहि सुजान

vkiu fdruk lh[kk

1- lgh 'kCn fn, x, ckDl e fy[kk&

- देशभक्त देशभगत
- बुझकड बुझक्कड़
- चिट्ठी चिट्ठी
- बसंत बंसत

2- ifDr;k ijh dj&

- भगतसिंह, सुखदेव दहकते

- ये पटेल जिनकी गर्मी से

3- budk ijk uke fy[kk&

- पटेल _____
- तिलक _____

4- fn, x, ;Xe 'kCnk l okD; cukdj fy[kk&

- कभी—कभी _____
- चलते—चलते _____

5- *oku* vkij *nkj* iR;; l nk&nk 'kCn cuk,&

- _____ + वान _____
- _____ + वान _____

- _____ + दार _____
- _____ + दार _____

6- fn, x, 'kCnk l okD; cuk,&

- मेल _____
- मैल _____
- बेल _____
- बैल _____

7- fuEufyf[kr nkg dk l jy vFk fy[k&

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।

बाँटनवारे को लगै, ज्यों मेहंदी के रंग

8- fuEufyf[kr i'uk d mUkj fy[k&

- किन्हीं चार देशभक्तों के नाम लिखें।

- धनीराम पैदल क्यों चलने लगा?

- मोबाइल के कोई दो उपयोग लिखें?

- कौए और कोयल में क्या अंतर है?
